

# न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जोधपुर

पीठासीन अधिकारी : गौरव अग्रवाल आई.ए.एस.

आर्बीट्रेशन प्रार्थना पत्र संख्या : 22/2022 (GCMS No. 2022/214)

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थी
1- गोदाराम पुत्र छतराराम, जाति मेघवाल निवासी ग्राम चैनपुरा तहसील बागोड़, जिला जालोर हाल निवासी 33, शिवपुरी, मानसागर, महामंदिर, जोधपुर		1- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जरिये परियोजना निदेशक, परियोजना कार्यान्वयन इकाई, 188, उम्मेद हैरिटेज, जोधपुर 2- सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी-उत्तर, जोधपुर

आर्बीट्रेशन आवेदन/प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 3 जी (5) राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956

उपस्थिति:-

दिनांक: 05.08.2025

1. श्री कानाराम गोदारा (प्रार्थीपक्ष अधिवक्ता)- उपस्थित
2. श्री एल.आर. पूनिया (अप्रार्थीपक्ष-01 के अधिवक्ता)- उपस्थित
3. अप्रार्थीपक्ष 02-अनुपस्थित

## पंचाट

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आदेश क्रमांक NHAI/LA/Arb./2015 दिनांक 13.08.2015 के द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 (1956 का संख्याक 48) की धारा 3G की उपधारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जोधपुर जिले की स्थानीय सीमा में जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर को माध्यस्थ (ARBITRATOR) नियुक्त किया गया है।

प्रार्थीपक्ष की ओर से प्रस्तुत आर्बीट्रेशन प्रार्थना पत्र के तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी की अवाप्त भूमि खसरा संख्या 79/2, क्षेत्रफल 0.6151 हैक्टेयर, ग्राम डांगियावास, तहसील जोधपुर का दिनांक 25.05.2021 को जारी अवार्ड के साथ प्रपत्र अ के क्रम संख्या 93 पर मुआवजा 56,09,787/- रुपये निर्धारित किया गया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित अवार्ड में अवाप्त भूमि का मूल्य भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 एवं इसमें किये संशोधन के अनुसार अधिनियम में दर्शायी गयी प्रथम अनुसूची के अनुरूप मुआवजा निर्धारित नहीं किया गया है। प्रार्थी गोदाराम जब भूमि को खरीद किया गया तब भूमि का डीएलसी दर अनुसार मूल्य 52,34,572 रुपये उपपंजीयक चतुर्थ जोधपुर द्वारा उल्लेख किया गया है दिनांक 09.07.2020 को उपपंजीयक (चतुर्थ) जोधपुर द्वारा अवाप्त भूमि की दर 52,34,572 रुपये डीएलसी दर के मूल्य पर बेचाननामा प्रार्थी के हक में पंजीबद्ध किया गया है इस तिथि के बाद और पूर्व के दो साल में डीएलसी दर में कोई परिवर्तन नहीं आया है। प्रार्थी की भूमि का मूल्य डीएलसी दर अनुसार 52,34,572 रुपये नहीं मान कर भारी भूल की है तथा प्रार्थी की अवाप्त भूमि शहर की सीमा से दूर है तथा शहर के नाका स्तंभों से 28 किलोमीटर की दूरी पर है इस कारण



जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

प्राथी अपने अवाप्त भूमि की डीएलसी दर 52,34,572 रुपये से दुगुनी राशि भूमि का मुआवजा प्राप्त करने के हकदार है और बेचाननामा का दरतावेज और शहरी नाका की स्थिति रेकॉर्ड पर उपलब्ध थी जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा गौर किये बिना ही निम्न स्तर का भूमि का मुआवजा निर्धारित किया गया है। प्राथी अपनी अवाप्त भूमि का मुआवजा 1,04,69,144 रुपये एवं इस पर कब्जा प्राप्ति से अधिनियम से दर्शायी प्रति अनुसार ब्याज प्राप्त करने का हकदार है। भारत सरकार द्वारा जोधपुर रिंग रोड नागौर रोड-डांगियावास सेक्शन 2 सड़क के निर्माण हेतु निजी खातेदारान की भूमि अवाप्ति हेतु दिनांक 11.12.2020 को अधिसूचना जारी हुई है। अधिसूचना के बाद प्राथी की ओर से निवेदन किया गया कि खसरा नंबर 79/2 सड़क के लगता हुआ आया हुआ है जिसका बाजार मूल्य 432.34 रुपये वर्गमीटर से अधिक है। जिला मूल्यांकन समिति, जोधपुर द्वारा निर्धारित भूमि मूल्यांकन के ग्राफिक प्रार्थीगण की भूमि खसरा नंबर 79/2 का बाजार मूल्य 851 रुपये वर्गमीटर होता है। परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कार्यालय द्वारा प्राथी की भूमि का सर्वेक्षण कर मौका रिपोर्ट बनाई जिसके अनुसार प्राथी की भूमि के अवाप्ति से पूर्व ही प्राथी की भूमि से लगता हुआ सारता राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 112 से जुड़ता है। प्राथी द्वारा खसरा नंबर 79/2 रकबा 3 बीघा 16 बिसवा भूमि दिनांक 15.07.2020 को खरीद की गई है जो बेचाननामा का दरतावेज उपपंजीयक (चतुर्थ) जोधपुर के कार्यालय में दिनांक 16.07.2020 को पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 238 में पृष्ठ संख्या 154, क्रम संख्या 202003054101101 पर पंजीबद्ध है। बेचाननामा के पृष्ठ संख्या 5 के पृष्ठ पर धारा 54 के तहत बेचाननामा की मालियात डीएलसी दर के अनुरूप 52,34,572 रुपये मानते हुए उस पर मुद्राक व अन्य राशि प्राथी द्वारा पंजीयन पूर्व अदा की गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं भूमि अवाप्ति प्राधिकारी जोधपुर द्वारा इन तथ्यों व परिस्थितियों को परखे बिना ही निम्न स्तर का मुआवजा निर्धारित कर दिया गया है। भूमि अवाप्ति अधिकारी द्वारा रेकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री की विवेचना किये बिना ही प्रार्थीगण की भूमि का मूल्यांकन 432.34 रुपये प्रतिवर्गमीटर से निर्धारित कर दिया गया है। प्राथी की भूमि का मूल्यांकन जिला मूल्यांकन समिति द्वारा निर्धारित बाजार दर से किया जाता तो भी प्राथी के अवाप्त भूमि का मुआवजा 851 रुपये प्रतिवर्गमीटर से बनता है इसी दर अनुसार प्राथी मुआवजा राशि प्राप्त करने का अधिकारी है। अवार्ड प्राप्त करने की जानकारी नहीं रही तथा अवार्ड की प्रतिउपलब्ध नहीं हुई केवल अवार्ड का नोटिस का आया वह भी प्राथी का नहीं मिला इस कारण यह आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने में देरी हुई है। प्रार्थना पत्र में आगे बताया गया कि सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) जोधपुर द्वारा पारित अवार्ड दिनांक 25.05.2021 के साथ संलग्न परिशिष्ट 'क' में विस्तृत विवेचना किये बिना ही राजस्व ग्राम डांगियावास के अवाप्त कुल खसरा 44 की एक ही दर निर्धारित कर दी गई है जिसमें प्राथी की अवाप्त भूमि को सम्मिलित कर प्राथी की भूमि की डीएलसी दर को वास्तविक दर से कम दर्शाकर शहरी सीमा मानने में भूल की है प्राथी उस अवार्ड को संशोधित करवाकर इस आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र में चाहे गये अनुतोष के अनुसार मुआवजा निर्धारित करने का अधिकारी है। प्रार्थना पत्र के अंत में प्राथी की अवाप्त भूमि की डीएलसी दर से मूल्य 52,34,572/- रुपये निर्धारित कर शहरी सीमा से बाहर मानते हुए अवाप्त भूमि का 1,04,69,144/- रुपये का मुआवजा दिलाया जाने एवं कुल मुआवजा 2,09,38,288/- रुपये पर भूगतान होने तक विधि में निर्धारित ब्याज दर से ब्याज दिलाये जाने का निवेदन किया गया।

आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर 22/2022 (GCMS No. 2022/214) कर अप्रार्थीपक्ष को नोटिस जारी किये गये। अप्रार्थीपक्ष-01 व 02 के नोटिस बाद तामिल लौटे। अप्रार्थीपक्ष 02 की ओर से दिनांक 03.08.2022 को जवाब प्रार्थना पत्र पेश किया गया जिसकी प्रति प्राथी अधिवक्ता को दी जाकर सामिल पत्रावली किया गया।

अप्रार्थीपक्ष 01 के अधिवक्ता की ओर से दिनांक 03.08.2022 को प्रस्तुत जवाब प्रार्थना पत्र के तथ्य में प्रारम्भिक आपत्तियां इस प्रकार है प्राथी ने अवाप्त भूमि के लिये डीएलसी दर की दुगुनी राशि दिलाये जाने हेतु गलत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है जबकि आलोच्य अवार्ड डीएलसी दर से तथा जितनी डीएलसी दर से जो राशि बनी उतनी ही



जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

से प्रस्तुत किया गया है, प्रार्थी ने ख.न. 79/2 में से अवाप्त क्षेत्रफल 0.6151 हैक्टर के मुआवजे के लिये भूमि अर्जन पुर्नवासन पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों में मुआवजा राशि तय नहीं करने का कथन सर्वथा मिथ्या किया गया है जबकि आलोच्य अर्वाड उक्त अधिनियम 2013 के अनुसार ही अर्वाड पारित किया जाकर मुआवजा वितरण किया है इसलिये भी प्रार्थी का प्रार्थनापत्र कानूनी चलने योग्य नहीं है। अप्रार्थीपक्ष 01 के अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत पदवार जवाब इस प्रकार है— प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पद संख्या 1 में जिन तथ्यों का उल्लेख किया है वे पूर्णतया गलत वर्णित किये गये हैं प्रार्थी ने इस पद में सक्षम अधिकारी एवं भूमि अवाप्ति अधिकारी द्वारा अवाप्तभूमि का मूल्य भूमि अर्जन पुर्नवासन पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 एवं इसमें किये गये संशोधन के अनुसार दर्शायी गयी प्रथम अनुसूची के अनुरूप मुआवजा राशि निर्धारित नहीं करने का मिथ्या कथन किया है जबकि सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम 2013 की प्रथम अनुसूची के अनुसार मुआवजा का निर्धारण किया है तथा अवाप्त भूमि का सही प्रतिकर तय किया है। प्रार्थी ने प्रार्थनापत्र के इस पद में सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी, जोधपुर द्वारा अवाप्तसुदा भूमि को जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा क्षेत्र में मानकर उस के अनुरूप मुआवजा राशि तय कर जिला स्तरीय भूमि मूल्यांकन समिति द्वारा निर्धारित दर से मुआवजा राशि की गणना कर अर्वाड पारित किया गया है तथा उक्त दर से जो राशि तय की है उसके बराबर की सोलिशियम राशि दिलाने का भी आदेश दिया है। इस प्रकार प्रार्थी की अवाप्तसुदा भूमि का जो मूल्यांकन कर अर्वाड राशि जारी करने का कथन स्पष्ट रूप से गलत सिद्ध होता है। इससे अधिक की दर से प्रार्थी किसी प्रकार की मुआवजा राशि तथा उस पर ब्याज प्राप्त करने का कतई अधिकारी नहीं है। प्रार्थी के प्रार्थनापत्र के पद संख्या 2 में जिन तथ्यों को उल्लेख किया है वे पूर्णतया गलत हैं प्रार्थी द्वारा भूमि की डीएलसी दर 1134.88 प्रति वर्गमीटर की दुगुनी डीएलसी दर से मुआवजा बनने का कथन सर्वथा मिथ्या किया गया है जबकि डीएलसी दर से दुगुनी राशि से मूल्यांकन करने का कोई प्रावधान नहीं होने से प्रार्थी किसी प्रकार का आलोच्य अर्वाड में निर्धारित की गयी राशि से अधिक राशि प्राप्त करने का हकदार नहीं है जबकि प्रार्थी को डीएलसी दर से बनने वाली राशि के बराबर सोलिशियम राशि जोडकर अर्वाड जारी किया गया है इससे अधिक प्रार्थी कोई राशि प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। प्रार्थी के प्रार्थनापत्र के पद संख्या 3 में जिन तथ्यों को उल्लेख किया है वे पूर्णतया गलत हैं, ग्राम डांगियावास के खसरा नम्बर 79/2 की अवाप्तसुदा भूमि जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में स्थित होने के कारण फ़ैक्टर लागू नहीं होते हैं। अतः मुआवजा राशि में बढोतरी का कोई आधार प्रार्थी के प्रार्थनापत्र में नहीं होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने के योग्य है। प्रार्थी के प्रार्थनापत्र के पद संख्या 4 में जिन तथ्यों को उल्लेख किया है वे पूर्णतया गलत हैं प्रार्थी का प्रार्थनापत्र पूर्णतया म्याद बाहर प्रस्तुत किया गया होने से निरस्त किये जाने के योग्य है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में अर्वाड का नोटिस उसको प्राप्त नहीं होने का कथन सर्वथा गलत किया है जबकि प्रार्थी को अर्वाड पारित होने की पूर्ण जानकारी शुरू से रही है इसलिये प्रार्थी का प्रार्थनापत्र म्याद बाहर होने से खारिज किये जाने के योग्य है। प्रार्थी के प्रार्थनापत्र के पद संख्या 5 में जिन तथ्यों को उल्लेख किया है वे पूर्णतया गलत हैं ग्राम डांगियावास के खसरा नम्बर 79/2 की अवाप्तसुदा भूमि जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में होने से भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 30) की धारा 26 की उप-धारा (2) सपठित प्रथम अनुसूचि द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 1(3)राज-6/2011/पार्ट/13 दिनांक 15.10.2014 के अनुसार जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में आने से फ़ैक्टर लागू नहीं होते हैं। जवाब के अंत में प्रार्थी किसी भी प्रकार से मुआवजा राशि बढवाकर मुआवजा प्राप्त करने का हक नहीं होने से प्रार्थी का प्रार्थनापत्र मय खर्च के निरस्त किये जाने का निवेदन किया गया।



जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

प्रार्थीपक्ष की ओर से निम्नलिखित दस्तवोज प्रस्तुत हुए:-

1-सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी जोधपुर द्वारा जोधपुर रिंग रोड किमी. 0.000 से किमी. 30.093 तक (नागौर रोड-डांगियावास सेक्शन-2) सड़क मार्ग के निर्माण हेतु भूमि अवाप्ति अवार्ड क्रमांक 79 दिनांक 25.05.2021 की प्रमाणित प्रतिलिपि।

2-विक्रय विलेख दिनांक 15.07.2020 की प्रति।

3-सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी जोधपुर द्वारा क्रमांक:भूमि अवाप्ति/रिंग रोड-11/2021/192 दिनांक 24.06.2021 की प्रति।

अप्रार्थीपक्ष-01 के अधिवक्ता की ओर से जवाब प्रार्थना पत्र दिनांक 03.08.2022 को प्रस्तुत किया गया तथा राजस्व (ग्रुप-06) विभाग राजस्थान सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक-प 1(3) राज 6/2011/पार्ट/26 दिनांक 14.06.2016 की प्रति प्रस्तुत की, जिसे सामिल पत्रावली किया गया।

दिनांक 22.07.2025 को उपस्थित प्रार्थीपक्ष अधिवक्ता व अप्रार्थीपक्ष-01 के अधिवक्ता की बहस सुनी।

प्रार्थीपक्ष के अधिवक्ता ने अपनी बहस में बतलाया कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित अवार्ड में अवाप्त भूमि का मूल्य भूमि अर्जन, पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 एवं इसमें किये संशोधन के अनुसार अधिनियम में दर्शायी गयी प्रथम अनुसूची के अनुरूप मुआवजा निर्धारित नहीं किया गया है। प्रार्थी गोदाराम जब भूमि को खरीद किया गया तब भूमि का डीएलसी दर अनुसार मूल्य 52,34,572 रुपये उपपंजीयक चतुर्थ जोधपुर द्वारा उल्लेख किया गया है दिनांक 09.07.2020 को उपपंजीयक (चतुर्थ) जोधपुर द्वारा अवाप्त भूमि की दर 52,34,572 रुपये डीएलसी दर के मूल्य पर बेचाननामा प्रार्थी के हक में पंजीबद्ध किया गया है इस तिथि के बाद और पूर्व के दो साल में डीएलसी दर में कोई परिवर्तन नहीं आया है। प्रार्थी की भूमि का मूल्य डीएलसी दर अनुसार मूल्य 52,34,572 रुपये नहीं मान कर भारी भूल की है तथा प्रार्थी की अवाप्त भूमि शहर की आबादी से दूर है तथा शहर के नाका स्तंभों से 28 किलोमीटर की दूरी पर है इस कारण प्रार्थी अपने अवाप्त भूमि की डीएलसी दर 52,34,572 रुपये से दुगुनी राशि भूमि का मुआवजा प्राप्त करने के हकदार है और बेचाननामा का दस्तावेज और शहरी नाका की स्थिति रेकॉर्ड पर उपलब्ध थी जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा गौर किये बिना ही निम्न स्तर का भूमि का मुआवजा निर्धारित किया गया है। प्रार्थी अपनी अवाप्त भूमि का मुआवजा 1,04,69,144 रुपये एवं इस पर कब्जा प्राप्ति से अधिनियम से दर्शायी प्रति अनुसार ब्याज प्राप्त करने का हकदार है। भारत सरकार द्वारा जोधपुर रिंग रोड नागौर रोड-डांगियावास सेक्शन 2 सड़क के निर्माण हेतु निजी खातेदारान की भूमि अवाप्ति हेतु दिनांक 11.12.2020 को अधिसूचना जारी हुई है। अधिसूचना के बाद प्रार्थी की ओर से निवेदन किया गया कि खसरा नंबर 79/2 सड़क के लगता हुआ आया हुआ है जिसका बाजार मूल्य 432.34 रुपये वर्गमीटर से अधिक है। जिला मूल्यांकन समिति, जोधपुर द्वारा निर्धारित भूमि मूल्यांकन के माफिक प्रार्थीगण की भूमि खसरा नंबर 79/2 का बाजार मूल्य 851 रुपये वर्गमीटर होता है। परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कार्यालय द्वारा प्रार्थी की भूमि का सर्वेक्षण कर मौका रिपोर्ट बनाई जिसके अनुसार प्रार्थी की भूमि के अवाप्ति से पूर्व ही प्रार्थी की भूमि से लगता हुआ रास्ता राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 112 से जुड़ता है। प्रार्थी द्वारा खसरा नंबर 79/2 रकबा 3 बीघा 16 बिस्वा भूमि दिनांक 15.07.2020 को खरीद की गई है जो बेचाननामा का दस्तावेज उपपंजीयक (चतुर्थ) जोधपुर के कार्यालय में दिनांक 16.07.2020 को पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 238 में पृष्ठ संख्या 154, क्रम संख्या 202003054101101 पर पंजीबद्ध है। बेचाननामा के पृष्ठ संख्या 5 के पृष्ठ पर धारा 54 के तहत बेचाननामा की मालियात डीएलसी दर के अनुरूप 52,34,572 रुपये का मुआवजा देना है। प्रार्थी ने उक्त मुद्राक व अन्य राशि प्रार्थी द्वारा पंजीयन पूर्व अदा की गई है।



जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं भूमि अवाप्ति प्राधिकारी जोधपुर द्वारा इन तथ्यों व परिस्थितियों को परखे बिना ही निम्न स्तर का मुआवजा निर्धारित कर दिया गया है। प्रार्थी को अवार्ड प्राप्त करने की जानकारी नहीं रही तथा अवार्ड की प्रतिउपलब्ध नहीं हुई केवल अवार्ड का नोटिस का आया वह भी प्रार्थी का नहीं मिला इस कारण यह आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने में देरी हुई है। बहस में आगे कहा गया कि सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) जोधपुर द्वारा पारित अवार्ड दिनांक 25.05.2021 के साथ संलग्न परिशिष्ट 'क' में विस्तृत विवेचना किये बिना ही राजस्व ग्राम डांगियावास के अवाप्त कुल खसरा 44 की एक ही दर निर्धारित कर दी गई है जिसमें प्रार्थी की अवाप्त भूमि को सम्मिलित कर प्रार्थी की भूमि की डीएलसी दर को वास्तविक दर से कम दर्शाकर शहरी सीमा मानने में भूल की है प्रार्थी उस अवार्ड को संशोधित करवाकर इस आर्बिट्रेशन प्रार्थना पत्र में चाहे गये अनुतोष के अनुसार मुआवजा निर्धारित करने का अधिकारी है। बहस के अंत में प्रार्थी की अवाप्त भूमि की डीएलसी दर से मूल्य 52,34,572/- रुपये निर्धारित कर शहरी सीमा से बाहर मानते हुए अवाप्त भूमि का 1,04,69,144/- रुपये का मुआवजा दिलाया जाने एवं कुल मुआवजा 2,09,38,288/- रुपये पर भुगतान होने तक विधि में निर्धारित ब्याज दर से ब्याज दिलाये जाने की इस्तदुआ की।

अप्रार्थीपक्ष-01 के अधिवक्ता ने अपनी बहस में बतलाया कि प्रार्थी ने अवाप्त भूमि के लिये डीएलसी दर की दुगुनी राशि दिलाये जाने हेतु गलत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है जबकि आलोच्य अवार्ड डीएलसी दर से तथा जितनी डीएलसी दर से जो राशि बनी उतनी ही सोलेशियम राशि जोड़कर अवार्ड पारित किया गया है जिससे अधिक राशि प्राप्त करने का प्रार्थी अधिकारी नहीं है। आर्बिट्रेशन प्रार्थनापत्र जो प्रस्तुत किया गया है वह पूर्णतया गलत रूप से प्रस्तुत किया गया है, प्रार्थी ने ख.न. 79/2 में से अवाप्त क्षेत्रफल 0.6151 हैक्टर के मुआवजे के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासन पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों में मुआवजा राशि तय नहीं करने का कथन सर्वथा मिथ्या किया गया है जबकि आलोच्य अवार्ड उक्त अधिनियम 2013 के अनुसार ही अवार्ड पारित किया जाकर मुआवजा वितरण किया है इसलिये भी प्रार्थी का प्रार्थनापत्र कानूनी चलने योग्य नहीं है। प्रार्थी द्वारा सक्षम अधिकारी एवं भूमि अवाप्ति अधिकारी द्वारा अवाप्तभूमि का मूल्य भूमि अर्जन पुनर्वासन पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 एवं इसमें किये गये संशोधन के अनुसार दर्शायी गयी प्रथम अनुसूची के अनुरूप मुआवजा राशि निर्धारित नहीं करने का मिथ्या कथन किया है जबकि सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम 2013 की प्रथम अनुसूची के अनुसार मुआवजा का निर्धारण किया है तथा अवाप्त भूमि का सही प्रतिकर तय किया है। प्रार्थी ने प्रार्थनापत्र के इस पद में सक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी, जोधपुर द्वारा अवाप्तसुदा भूमि को जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा क्षेत्र में मानकर उस के अनुरूप मुआवजा राशि तय कर जिला स्तरीय भूमि मूल्यांकन समिति द्वारा निर्धारित दर से मुआवजा राशि की गणना कर अवार्ड पारित किया गया है तथा उक्त दर से जो राशि तय की है उसके बराबर की सोलेशियम राशि दिलाने का भी आदेश दिया है। बहस में आगे कहा गया कि ग्राम डांगियावास के खसरा नम्बर 79/2 की अवाप्तसुदा भूमि जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में होने से भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का केन्द्रीय अधिनियम संख्या 30) की धारा 26 की उप-धारा (2) सपठित प्रथम अनुसूचि द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 1(3)राज-6/2011/पार्ट/13 दिनांक 15.10.2014 के अनुसार जोधपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में आने से फ़ैक्टर लागू नहीं होते हैं। बहस के अंत में अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किये जाने की इस्तदुआ की।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया एवं बहस पर मनन किया। प्रार्थीपक्ष की ओर अवाप्त भूमि खसरा संख्या 79/2, क्षेत्रफल 0.6151 हैक्टेयर, ग्राम डांगियावास, तहसील जोधपुर का डीएलसी दर से मूल्य 52,34,572/- रुपये निर्धारित कर शहरी सीमा से बाहर मानते हुए भूमि का 1,04,69,144/- रुपये का मुआवजा दिलाया जाने एवं कुल मुआवजा 2,09,38,288/- रुपये पर भुगतान होने तक विधि में निर्धारित ब्याज दर से ब्याज दिलाये



जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

जाने का निवेदन किया। प्रकरण में राक्षम प्राधिकारी (भूमि अवाप्ति) एवं उपखण्ड अधिकारी, जोधपुर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3(A) की अधिसूचना का प्रकाशन होने पर खरारावार डीएलसी मंगवाई जाकर डीएलसी के आधार पर अर्वाड जारी किया गया है तथा राजस्व (गुप-6) विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा क्रमांक प.1(3)राज 6/2011/पार्ट/26 दिनांक 14.06.2016 को जारी अधिसूचना में "जयपुर, जोधपुर व अजमेर के लिए विकास प्राधिकरणों की सीमा तक के क्षेत्र तथा विकास प्राधिकरणों से भिन्न शहरी क्षेत्रों के लिए नगर निगम/नगर पालिका सीमा तक के क्षेत्र, जिसमें उक्त स्थानीय निकायों के निर्वाचन के समस्त वार्ड क्षेत्र सम्मिलित है, को शहरी क्षेत्र सीमा माना जावेगा" को स्पष्ट किया गया, जिस कारण प्रार्थी की अवाप्तसुदा भूमि के मुआवजा निर्धारण में गुणक/फेक्टर लागू नहीं किया जा सकता है। अतः उपरोक्त विवेचनानुसार प्रार्थीपक्ष द्वारा प्रस्तुत आर्बीट्रेशन प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है।

पक्षकारान अपना अपना खर्चा वहन करे। पंचाट की प्रति संबंधित को सूचनार्थ एवं

आपस पर कार्यवाही हेतु प्रेषित हो।



(गौरव अग्रवाल)

आर्बीट्रेटर

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

यह पंचाट आज दिनांक 05.08.2025 को लिखवाया जाकर हस्ताक्षरित किया गया।

(गौरव अग्रवाल)

आर्बीट्रेटर

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट

जोधपुर

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट  
जोधपुर (राज.)

(अर्थ) प्रार्थीपक्ष को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त पंचाट को 05.08.2025 को लिखवाया जाकर हस्ताक्षरित किया गया है।